DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

21 September, 2024

श्वेत क्रांति 2.0

संदर्भ: *हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री ने 'श्वेत क्रांति 2.0' का शुभारंभ किया है।*

➢ **अवलोकन:**

- एक राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 'श्वेत क्रांति 2.0' महिलाओं की आत्मनिर्भरता बढ़ाएगी और कुपोषण से निपटेगी।
- इसका उद्देश्य दो लाख नई कृषि सहकारी समितियों को मजबूत करना और उनके बीच सहयोग बढ़ाना है।

➢ **श्वेत क्रांति**

- 1970 के दशक में ऑपरेशन फ्लड के माध्यम से शुरू हुई श्वेत क्रांति ने भारत के डेयरी उद्योग में क्रांति ला दी।
- प्रो. **वर्गीस कुरियन** भारत में श्वेत क्रांति के जनक थे।
- राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की अगुवाई में इस अभियान का उद्देश्य दूध उत्पादन बढ़ाना, ग्रामीण आजीविका को समर्थन देना और दूध आपूर्ति में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना था।

➢ **श्वेत क्रांति 2.0**

- श्वेत क्रांति 2.0 के तहत सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में डेयरी सहकारी समितियों द्वारा दूध की खरीद में 50 प्रतिशत की वृद्धि करना है।

➢ **लक्षित क्षेत्र:**

- महिला किसानों को सशक्त बनाना।
- स्थानीय दुग्ध उत्पादन को बढ़ाना।
- डेयरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करना।
- डेयरी निर्यात को बढ़ावा देना।

➢ **श्वेत क्रांति 2.0 के उद्देश्य**

- **खरीद में वृद्धि** : 2028-29 तक दैनिक दूध खरीद को 660 लाख किलोग्राम से बढ़ाकर 1,007 लाख किलोग्राम करने का लक्ष्य रखा गया है।
- **रोजगार सृजन** : इस पहल से रोजगार सृजन और महिला सशक्तिकरण में वृद्धि होने की उम्मीद है।
- **योजना का विस्तार** : 56,000 नई डेयरी सहकारी समितियों की स्थापना करना तथा बेहतर बुनियादी ढांचे के साथ मौजूदा समितियों को मजबूत करना।

➢ **भारत के डेयरी क्षेत्र का वर्तमान परिदृश्य**

- **शीर्ष उत्पादक** : भारत विश्व का अग्रणी दूध उत्पादक है, जिसकी प्रति व्यक्ति उपलब्धता 459 ग्राम/दिन है।
- **उत्पादन वृद्धि** : कुल दूध उत्पादन 187.75 मिलियन टन (2018-19) से बढ़कर 230.58 मिलियन टन (2022-23) हो गया।
- **सहकारी समिति** : लगभग 1.7 लाख डेयरी सहकारी समितियां लगभग 2 लाख गांवों को कवर करती हैं, जो कुल दूध उत्पादन का 10% हिस्सा है।

बेसिक एनिमल हसबैंड्री स्टैटिस्टिक्स (BAHS) 2023 के अनुसार, भारत में शीर्ष पांच दूध उत्पादक राज्य हैं:

- **उत्तर प्रदेश** : 15.72%
- **राजस्थान** : 14.44%
- **मध्य प्रदेश** : 8.73%
- **गुजरात** : 7.49%
- **आंध्र प्रदेश** : 6.70%

इन राज्यों का देश के कुल दूध उत्पादन में 53.08% योगदान है।

➢ **सहकारी समितियां कवरेज :**

- वर्तमान में, डेयरी सहकारी समितियां लगभग 70% जिलों में काम करती हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में कवरेज कम (10-20%) है।
- पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों में डेयरी सहकारी समितियों का कवरेज 10% से कम है।

➢ **बाजार की गतिशीलता**

- **क्षेत्र का योगदान** : डेयरी कृषि के उत्पादन मूल्य में लगभग 40% का योगदान देता है तथा 8.5 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देता है, जिनमें मुख्य रूप से महिलाएं हैं।
- **संगठित बनाम असंगठित** : विपणन योग्य दूध का दो-तिहाई हिस्सा असंगठित क्षेत्र से है, जबकि संगठित क्षेत्र में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है।
- इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) 2.0 के माध्यम से वित्त पोषण प्राप्त होगा, जिसमें ग्राम-स्तरीय खरीद प्रणालियों पर जोर दिया जाएगा।

वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ)

संदर्भ: *हाल ही में, FATF ने आतंकवाद और धन शोधन जांच से संबंधित संपत्ति जब्त करने पर भारत के अनुपालन की प्रशंसा की है।*

➢ **अवलोकन:**

- भारत को इस्लामिक स्टेट, अल-कायदा, क्षेत्रीय विद्रोह और वामपंथी उग्रवादियों से विविध प्रकार के आतंकवादी खतरों का सामना करना पड़ रहा है।
- एफएटीएफ की रिपोर्ट में भारत द्वारा सिफारिशों के उच्च अनुपालन तथा आतंकवाद से संबंधित जांच में संबंधित संपत्ति जब्त करने पर प्रकाश डाला गया है।

➢ **एफएटीएफ क्या है?**

- स्थापना: 1989, पेरिस में जी-7 बैठक के दौरान।
- भूमिका: धन शोधन और आतंकवादी वित्तपोषण के लिए वैश्विक निगरानी संस्था।
- एफएटीएफ सचिवालय पेरिस में ओईसीडी मुख्यालय में स्थित है।

➢ **उद्देश्य**

- प्रारंभिक फोकस: धन शोधन से निपटना।
- 9/11 के बाद विस्तार: 2001 में, इस अधिदेश का विस्तार कर इसमें आतंकवादी वित्तपोषण को भी शामिल कर लिया गया।
- 2012 अद्यतन: सामूहिक विनाश के हथियारों (WMD) के वित्तपोषण का मुकाबला करने के लिए प्रयास बढ़ाए गए।

➢ **एफएटीएफ की सिफारिशें**

- पहली रिपोर्ट: अप्रैल 1990, मनी लॉन्ड्रिंग के विरुद्ध कार्रवाई के लिए 40 सिफारिशें जारी की गईं।
- 2004 संशोधन: मानकों को मजबूत करने के लिए नौवीं विशेष सिफारिशें जोड़ी गईं।
- 2012 संशोधन: WMD के वित्तपोषण सहित नए खतरों से निपटने के लिए इसका विस्तार किया गया।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

➢ **सदस्यता**

- वर्तमान सदस्य: वर्तमान में FATF के 40 सदस्य हैं, 38 क्षेत्राधिकार और 2 क्षेत्रीय संगठन (खाड़ी सहयोग परिषद और यूरोपीय आयोग)।
- भारत की स्थिति: 2006 में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुआ, 2010 में पूर्ण सदस्य बना।

➢ **एफएटीएफ सत्र**

- पूर्ण बैठकें: निर्णय लेने और पारस्परिक मूल्यांकन रिपोर्टों की समीक्षा करने के लिए वर्ष में तीन बार आयोजित की जाती हैं। (एमईआर)

➢ **प्रेक्षक**

- देश: इंडोनेशिया एकमात्र पर्यवेक्षक है।
- संगठन: इसमें ADB, IMF, OECD, UNODC और अन्य शामिल हैं।

एफएटीएफ ग्रे और ब्लैक लिस्ट

➢ **काली सूची**

- ऐसे देश या क्षेत्राधिकार जहां एएमएल/सीएफटी में गंभीर कमियां हैं और मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद का उच्च जोखिम है। इन देशों पर प्रतिबंध लगाए जाते हैं और उचित सावधानी बरती जाती है।

➢ **ग्रे सूची**

- वे देश या क्षेत्राधिकार जो अपनी एएमएल/सीएफटी कमियों को दूर करने के लिए काम कर रहे हैं और जिन पर निगरानी बढ़ाई जा रही है

➢ **सूचीबद्धता के परिणाम**

- आर्थिक प्रतिबंध: आईएमएफ और विश्व बैंक जैसी वित्तीय संस्थाओं से।
- ऋण पर प्रभाव: ऋण प्राप्त करने में कठिनाई होती है।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार: कटौती और बहिष्कार।

भारत के लिए पारस्परिक मूल्यांकन रिपोर्ट (एमईआर)-2024

➢ **मुख्य बातें**

- **सुधार के क्षेत्र** :
  - धन शोधन (एमएल) और आतंकवादी वित्तपोषण (टीएफ) जोखिमों की समझ बढ़ाना।
  - राष्ट्रीय समन्वय और सहयोग में सुधार करना।
  - जांच में वित्तीय खुफिया जानकारी का उपयोग बढ़ाना।
  - पूर्ववर्ती अपराधों और टीएफ जांच से संबंधित चुनौतियों का समाधान करना।
- **मनी लॉन्ड्रिंग के मुख्य स्रोत** :
  - घरेलू अवैध गतिविधियाँ, जिनमें शामिल हैं:
  - साइबर-सक्षम धोखाधड़ी
  - भ्रष्टाचार
  - नशीले पदार्थों की तस्करी
- **सुरक्षा खतरे** :
  - भारत को इस्लामिक स्टेट और अल-कायदा से जुड़े समूहों से गंभीर खतरा , विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर में।
  - पूर्वोत्तर और उत्तर भारत में क्षेत्रीय उग्रवाद के साथ-साथ वामपंथी उग्रवादी समूहों से भी आतंकवाद का खतरा जारी है।
- **कार्यान्वयन चुनौतियाँ** :
  - यद्यपि **धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के अंतर्गत जांच में** वृद्धि हुई है, लेकिन अभियोजन शिकायतों और समाप्त हुए मुकदमों की संख्या में आनुपातिक रूप से वृद्धि नहीं हुई है।

➢ **मुख्य अनुशंसा:**

- बिना किसी देरी के धन और परिसंपत्तियों को फ्रीज करने के लिए लक्षित वित्तीय प्रतिबंधों को लागू करें।
- पीएमएलए के अंतर्गत घरेलू राजनीतिक रूप से उजागर व्यक्तियों (पीईपी) को परिभाषित करें; वर्तमान में केवल विदेशी पीईपी को ही परिभाषित किया गया है।
- जोखिम-आधारित उन्नत उपायों के माध्यम से गैर-लाभकारी संगठनों (एनपीओ) को आतंकवाद से संबंधित दुर्व्यवहार से बचाना।

मुक्त आवागमन व्यवस्था (एफएमआर)

***संदर्भ**: हाल ही में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने फ्री मूवमेंट रिजीम (एफएमआर) को खत्म कर दिया, जिससे सीमावर्ती निवासियों को बिना दस्तावेजों के 16 किमी की यात्रा करने की अनुमति मिल गई।*

➢ **अवलोकन:**

- केंद्र सरकार ने म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने के लिए 31,000 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।
- सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 1,643 किलोमीटर लंबी भारत-म्यांमार अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने और सड़कों के निर्माण को मंजूरी दे दी है।

➢ **मुक्त आवागमन व्यवस्था (एफएमआर)**

- मुक्त आवागमन व्यवस्था (एफएमआर) एक पारस्परिक रूप से सहमत व्यवस्था है, जो सीमावर्ती जनजातियों को बिना वीज़ा के एक-दूसरे के क्षेत्र में 16 किमी तक यात्रा करने की अनुमति देती है।
- 2018 में क्रियान्वित यह विधेयक भारत सरकार की एक्ट ईस्ट नीति का समर्थन करता है।
- **तर्क** : 1826 के सीमा निर्धारण के कारण उत्पन्न ऐतिहासिक विभाजन को दूर करने के लिए इसकी स्थापना की गई, तथा दोनों ओर के समुदायों के बीच मजबूत संबंधों को मान्यता दी गई।

- **महत्व** : स्थानीय व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना, जो सीमावर्ती समुदायों की आर्थिक भलाई के लिए महत्वपूर्ण है।
- (पारगमन सीमा से तात्पर्य ऐसे सीमावर्ती क्षेत्रों से है जो लोगों के आवागमन को रोकने के लिए पर्याप्त रूप से संरक्षित नहीं हैं। यह खुला (बिना बाड़ वाला) और बंद (बाड़ लगा हुआ) दोनों हो सकता है।)

भारत-म्यांमार संबंधों का महत्व

➢ **भू-राजनीतिक महत्व :**

- **दक्षिण पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार** : म्यांमार दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया को जोड़ता है, जिससे क्षेत्रीय संपर्क बढ़ता है।
- **बंगाल की खाड़ी कनेक्टिविटी** : समुद्री सहयोग और आर्थिक सहयोग को मजबूत करता है।
- **चीन के प्रति संतुलन** : म्यांमार के साथ मजबूत संबंध क्षेत्र में चीन के प्रभाव को कम करने में मदद करते हैं।

➢ **सामरिक महत्व :**

- **पड़ोसी प्रथम नीति** : पड़ोसी देशों के साथ मजबूत संबंध बनाने पर जोर दिया जाता है।
- **एक्ट ईस्ट नीति** : एशिया-प्रशांत देशों के साथ आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों पर केंद्रित है।
- **बहुपक्षीय सहभागिता:** सार्क, आसियान, बिम्सटेक और मेकांग गंगा सहयोग में म्यांमार की सदस्यता भारत की "एक्ट ईस्ट" नीति ढांचे के अंतर्गत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाती है।

➢ **सहयोगात्मक सहयोग के क्षेत्र**

- **द्विपक्षीय व्यापार** : जून 2024 में, म्यांमार को भारत का निर्यात 9.9% बढ़ा, जबकि आयात 180% बढ़ा, जिससे भारत म्यांमार का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया।
- **ऊर्जा सहयोग** : तेल और गैस में पर्याप्त निवेश के साथ म्यांमार भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।
- **कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट परियोजना :** यह कनेक्टिविटी और व्यापार को बढ़ाती है।
- **भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजना:** इस परियोजना का उद्देश्य भारत में मोरेह को म्यांमार के माध्यम से थाईलैंड में माई सोत से जोड़ना है, जिससे क्षेत्रीय संपर्क बढ़ेगा।
- **रक्षा साझेदारी** : भारत-म्यांमार द्विपक्षीय सेना अभ्यास (आईएमबीएक्स) का उद्देश्य सेनाओं के साथ घनिष्ठ संबंधों का निर्माण और संवर्धन करना है।

➢ **राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा**

- सीमापार आतंकवाद और उग्रवाद, विशेषकर पूर्वोत्तर में।
- हथियारों की तस्करी और मानव तस्करी।
- मादक पदार्थों की तस्करी, म्यांमार गोल्डन ट्राइंगल का हिस्सा है।
- पड़ोसी देशों में राजनीतिक अस्थिरता के कारण शरणार्थियों का आगमन।

➢ **सीमा बाड़ लगाने में चुनौतियाँ**

- **ऊबड़-खाबड़ इलाका** : दलदली क्षेत्रों और नदी के किनारों सहित कठिन भू-दृश्य, बाड़ लगाने के प्रयासों को जटिल बनाते हैं।
- **सीमांकन का अभाव** : कुछ सीमाएँ विवादित और अनिर्धारित बनी हुई हैं।
- **लोकप्रिय असंतोष** : सीमाओं के पार जातीय संबंधों के कारण विरोध प्रदर्शन होते हैं, जैसे कि मिजोरम में विभिन्न संगठन द्वारा बाड़ लगाने के निर्णय और फ्री मूवमेंट रिजीम (एफएमआर) के निलंबन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया है।

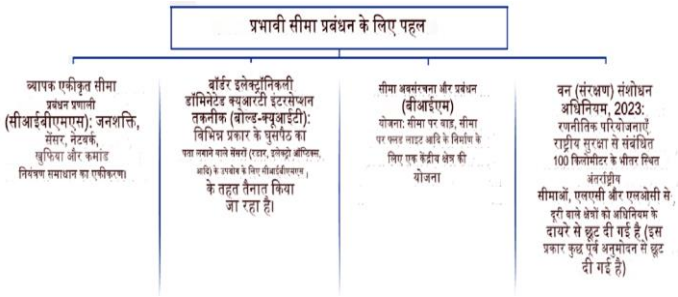

NEWS IN BETWEEN THE LINES

नदी उत्सव

हाल ही में, नदी उत्सव 2024, उत्सव के 5वें संस्करण का उद्घाटन नई दिल्ली में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) में किया गया।

नदी उत्सव के बारे में:

- नदी उत्सव 2024 भारत की नदियों के महत्व का जश्न मनाने वाला तीन दिवसीय उत्सव है।
- यह उत्सव पर्यावरण और पारिस्थितिकी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) द्वारा आयोजित किया जाता है।
- इस वर्ष के उत्सव का विषय "रिवर्स इन रिवर्स: मेकिंग ऑफ़ ए लाइफलाइन" है, जो नदियों और उनके आसपास की संस्कृति के घटकों पर केंद्रित है।
- इस उत्सव में कंसाबती नदी पर एक फोटो प्रदर्शनी, पारंपरिक नावों का प्रदर्शन और स्कूली छात्रों द्वारा एक पेंटिंग प्रदर्शनी सहित विभिन्न गतिविधियाँ शामिल हैं, जो सभी नदियों के विषय पर केंद्रित हैं।
- नदी उत्सव का उद्देश्य नदियों के प्रति श्रद्धा, उत्साह और मूल्यों को प्रेरित करना है।
- पहला नदी उत्सव 2018 में आयोजित किया गया था, और डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने इस विचार की कल्पना की थी।

कलरीपयट्टू

हाल ही में, कलारी अभ्यासियों ने केरल खेल परिषद द्वारा कथित भेदभाव का विरोध करते हुए कलारीपयट्टू का प्रदर्शन करके सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया।

कलरीपयट्टू के बारे में:

- कलारीपयट्टू एक पारंपरिक मार्शल आर्ट है, जिसकी उत्पत्ति केरल में तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व और दूसरी शताब्दी ईस्वी के बीच हुई थी।
- कलारीपयट्टू शब्द मलयालम शब्दों कलारी (लड़ाई का स्थान) और पयाट्टू (लड़ाई) का संयोजन है।
- कलारीपयट्टू प्रशिक्षण शरीर की कंडीशनिंग अभ्यास से शुरू होता है, फिर आंदोलनों और हथियार प्रशिक्षण के अधिक जटिल अनुक्रमों पर आगे बढ़ता है।
- कलरीपयट्टू में लाठी, तलवार, ढाल, भाले, खंजर, चाकू आदि सहित कई तरह के हथियारों का इस्तेमाल किया जाता है।
- पयट्टू के चार चरण हैं मैप्पयट्टू (शरीर की कंडीशनिंग), कोलथारी (लकड़ी के हथियार), अंगथारी (तेज धातु के हथियार) और वेरुमकई (नंगे हाथों से बचाव और हमला)
- कलरीपयट्टू की कई प्रमुख शैलियाँ हैं, जिनमें वट्टेथरिप्पु, अराप्पुक्कई और पिल्लाथांगी शामिल हैं।
- युवा मामले और खेल मंत्रालय ने इस कला को बढ़ावा देने के लिए भारतीय कलरीपयट्टू महासंघ को क्षेत्रीय खेल महासंघ के रूप में मान्यता दी है।
- भारतीय सेना की मद्रास रेजिमेंट ने कलरीपयट्टू को अपने प्रशिक्षण व्यवस्था में शामिल किया है।

राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण

राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) 2024 4 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा, जिसमें 792 जिलों के कक्षा 3, 6 और 9 के लगभग 5 मिलियन छात्र शामिल होंगे।

राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण के बारे में:

- राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (NAS) भारत में छात्रों के सीखने का एक बड़े पैमाने पर मूल्यांकन है जो शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जाता है।
- यह स्कूली शिक्षा की प्रभावशीलता का एक प्रणाली-स्तरीय मूल्यांकन है।
- यह सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त, निजी और केंद्र सरकार के स्कूलों में ग्रेड 3, 5, 8 और 10 में छात्रों के सीखने के स्तर का आकलन करता है।
- यह छात्र के प्रदर्शन के साथ-साथ स्कूल के माहौल, शिक्षण विधियों और छात्र के घरेलू जीवन जैसे पृष्ठभूमि चर के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए नमूना-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करता है।
- यह विभिन्न आबादी और सीखने के परिणामों में प्रदर्शन की तुलना करके शिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के सबसे प्रभावी तरीकों की पहचान करने में मदद करता है।
- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण के लिए मूल्यांकन रूपरेखा और उपकरण डिज़ाइन करता है। o केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) कक्षा 3, 5, 8 और 10 के छात्रों के लिए सर्वेक्षण का संचालन करता है।
- 2021 के सर्वेक्षण में, 720 जिलों में कक्षा 3, 5, 8 और 10 के 3.7 मिलियन छात्रों का मूल्यांकन किया गया।

POINTS TO PONDER

- मणिपुर के तामेंगलोंग जिले ने किस प्रवासी पक्षी के शिकार पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिसे स्थानीय तौर पर मणिपुर में 'कहुआइपुइना' के नाम से जाना जाता है? – **अमूर फाल्कन**
- हाल ही में, फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी (CNES) के अध्यक्ष ने फ्रांस और भारत के बीच अंतरिक्ष सहयोग के 60 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाने की बात कही। इस कार्यक्रम के दौरान निम्नलिखित में से किस मिशन पर प्रकाश डाला गया? – **गगनयान और तृष्णा**
- दुनिया के सबसे बड़े रेडियो टेलीस्कोप के रूप में प्रचारित, हाल ही में किस रेडियो टेलीस्कोप ने अपना पहला अवलोकन किया? – **स्क्वायर किलोमीटर ऐरे (SKA)**
- एक नए अध्ययन से संकेत मिलता है कि 2024 PT5 नामक एक छोटा क्षुद्रग्रह अस्थायी रूप से किस खगोलीय पिंड के 'मिनी मून' के रूप में व्यवहार करेगा? – **पृथ्वी**
- देश की प्रक्षेपण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए हाल ही में प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में भारत के केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा क्या अनुमोदित किया गया? – **अगली पीढ़ी का प्रक्षेपण यान (NGLV)**